नशा मुक्त भारत अभियान

नई किरण नशा मुक्ति केंद्र, राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर

लोकसंकल्प

नशे की सामाजिक स्वीकृति के विरुद्ध जनआंदोलन

नशे को नहीं, संस्कारों को सामाजिक स्वीकृति

नशामुक्त सामाजिक आयोजन

मेरा गांव – मेरा परिवार – मेरा संकल्प – नशामुक्त समाज

---

loksankalp.org

नशामुक्त सामाजिक आयोजन

लोकसंकल्प श्रृंखला

विवाह, मृत्यु उपरांत आयोजित शोक बैठक और सामुदायिक परंपराओं का पुनर्निर्माण

> **आवरण संदेश**
>
> **“सम्मान भोजन से होता है, नशे से नहीं।”**
>
> **“परंपराएँ समाज को ऊँचा उठाएँ, कमजोर नहीं बनाएँ।”**
>
> **“नशे की मनुहार नहीं, संस्कारों का सत्कार।”**

www.loksankalp.org

विषय-सूची

	प्रस्तावना	3
1	अध्याय 1 : परंपरा और कुरीति में अंतर	3
2	अध्याय 2 : नशे की मनुहार कैसे सामाजिक स्वीकृति बनाती है?	3
3	अध्याय 3 : विवाह और नशामुक्त संस्कृति	4
4	अध्याय 4 : मृत्यु शोक सभा और सामाजिक संवेदनशीलता	4
5	अध्याय 5 : बच्चों और युवाओं पर प्रभाव	5
6	अध्याय 6 : नशामुक्त आयोजन क्यों आवश्यक हैं?	5
7	अध्याय 7 : लोकसंकल्प नशामुक्त आयोजन प्रमाणन	5
8	अध्याय 8 : सत्यापन एवं प्रेरणा मॉडल	5
9	अध्याय 9 : सामाजिक परिवर्तन कैसे होगा?	6
10	अध्याय 10 : नई सामाजिक परंपराएँ	6
11	अध्याय 11 : ग्राम लोकसंकल्प समिति की भूमिका	6
12	अध्याय 12 : हमारा सामूहिक आह्वान	7
	नशामुक्त आयोजन संकल्प	7
	लोकसंकल्प मंत्र	7

प्रस्तावना

भारत की सामाजिक संस्कृति का सबसे सुंदर पक्ष है—सामूहिकता, आतिथ्य और पारिवारिक जुड़ाव।

विवाह, जन्मोत्सव, मृत्यु उपरांत आयोजित शोक बैठक, धार्मिक आयोजन, सामाजिक मिलन और सामुदायिक उत्सव केवल कार्यक्रम नहीं होते; वे समाज के मूल्यों को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने के माध्यम भी होते हैं।

किन्तु समय के साथ कुछ ऐसी प्रवृत्तियाँ भी सामाजिक जीवन का हिस्सा बन गई हैं जो समाज, परिवार और युवाओं के हित में नहीं हैं।

इनमें सबसे गंभीर प्रवृत्तियों में से एक है—

सामाजिक आयोजनों में नशे की मनुहार

तंबाकू, गुटखा, बीड़ी, सिगरेट, शराब अथवा अन्य नशीले पदार्थों को कई स्थानों पर आतिथ्य, सम्मान, प्रतिष्ठा या परंपरा के नाम पर प्रस्तुत किया जाता है।

लोकसंकल्प का मानना है कि यह केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं है।

यह सामाजिक संस्कृति का प्रश्न है।

www.loksankalp.org

1 अध्याय 1 : परंपरा और कुरीति में अंतर

हर पुरानी चीज़ परंपरा नहीं होती।

और हर परंपरा समाज के लिए लाभकारी भी नहीं होती।

परंपरा क्या है?

जो समाज को जोड़ती है।

जो परिवारों को मजबूत बनाती है।

जो अगली पीढ़ी को सकारात्मक मूल्य देती है।

कुरीति क्या है?

जो व्यक्ति, परिवार या समाज को नुकसान पहुँचाती है।

जो गलत व्यवहार को सामान्य बनाती है।

जो सामाजिक विकास में बाधा बनती है।

महत्वपूर्ण प्रश्न

- क्या किसी व्यक्ति को नशा देना सम्मान है?
- क्या किसी युवा को व्यसन की ओर ले जाने वाली वस्तु परंपरा हो सकती है?

क्या स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाने वाली वस्तु को आतिथ्य का प्रतीक माना जाना चाहिए?

यदि उत्तर “नहीं” है, तो हमें साहसपूर्वक स्वीकार करना होगा कि नशे की मनुहार परंपरा नहीं, कुरीति है।

2 अध्याय 2 : नशे की मनुहार कैसे सामाजिक स्वीकृति बनाती है?

किसी बच्चे या किशोर को नशे की ओर धकेलने के लिए हमेशा तस्कर या अपराधी की आवश्यकता नहीं होती।

कई बार समाज स्वयं अनजाने में यह भूमिका निभा देता है।

उदाहरण

जब बच्चा देखता है कि—

विवाह में तंबाकू सम्मानपूर्वक परोसी जा रही है।

धूम्रपान को सामान्य माना जा रहा है।

शराब को प्रतिष्ठा का प्रतीक बताया जा रहा है।

नशे का विरोध करने वालों का मजाक उड़ाया जा रहा है।

तो उसके मन में यह संदेश जाता है कि नशा समाज द्वारा स्वीकार्य है।

यहीं से सामाजिक स्वीकृति का निर्माण होता है।

3 अध्याय 3 : विवाह और नशामुक्त संस्कृति

विवाह जीवन का सबसे महत्वपूर्ण सामाजिक संस्कार है।

यह दो व्यक्तियों का ही नहीं, दो परिवारों का मिलन होता है।

लेकिन चिंतन आवश्यक है

क्या विवाह जैसे पवित्र अवसर पर—

तंबाकू | गुटखा | सिगरेट | शराब | का स्थान होना चाहिए? | लोकसंकल्प विवाह मॉडल | स्वागत में

- ✔ पौधा
- ✔ पुस्तक
- ✔ स्मृति चिन्ह
- ✔ स्थानीय उत्पाद

भोजन में

- ✔ पौष्टिक व्यंजन
- ✔ स्थानीय खाद्य संस्कृति
- ✔ मोटे अनाज
- ✔ स्वास्थ्यवर्धक विकल्प

संदेश में

- ✔ नशामुक्त परिवार
- ✔ स्वस्थ जीवन
- ✔ पर्यावरण संरक्षण
- ✔ सामाजिक उत्तरदायित्व

विवाह संकल्प

“हम अपने विवाह समारोह को नशामुक्त रखेंगे और किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ का वितरण नहीं करेंगे।”

4 अध्याय 4 : मृत्यु शोक सभा और सामाजिक संवेदनशीलता

मृत्यु किसी परिवार के लिए भावनात्मक क्षति का समय होता है।

ऐसे अवसर पर समाज संवेदना, सहयोग और सम्मान प्रकट करता है।

एक गंभीर प्रश्न

क्या किसी दिवंगत व्यक्ति की स्मृति में नशीले पदार्थ परोसना सम्मान कहलाएगा?

क्या यह उनकी स्मृति का सर्वोत्तम सम्मान है?

लोकसंकल्प का उत्तर है—

नहीं।

वास्तविक श्रद्धांजलि वह है जो समाज को बेहतर दिशा दे।

सकारात्मक विकल्प

www.loksankalp.org

पौधारोपण | पुस्तक दान | रक्तदान शिविर | सामुदायिक सेवा | शिक्षा सहायता | नशामुक्ति संदेश

5 अध्याय 5 : बच्चों और युवाओं पर प्रभाव

बच्चे वही नहीं सीखते जो हम कहते हैं।

वे वह सीखते हैं जो हम करते हैं।

जब बच्चे सामाजिक आयोजनों में नशे को सामान्य रूप से देखते हैं, तो उनके मन में जोखिम की भावना कम हो जाती है।

यही कारण है कि सामाजिक वातावरण युवाओं के व्यवहार को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण कारक माना जाता है।

इसलिए

नशामुक्त आयोजन वास्तव में

युवा संरक्षण अभियान

भी हैं।

www.loksankalp.org

6 अध्याय 6 : नशामुक्त आयोजन क्यों आवश्यक हैं?

स्वास्थ्य के लिए | परिवार के लिए | आर्थिक बचत के लिए | सामाजिक वातावरण के लिए | बच्चों के भविष्य के लिए | सकारात्मक संस्कृति के लिए

व्यापक प्रभाव

एक नशामुक्त आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं बदलता।

वह सामाजिक मानक (Social Norm) बदलने की शुरुआत करता है।

7 अध्याय 7 : लोकसंकल्प नशामुक्त आयोजन प्रमाणन

लोकसंकल्प ऐसे परिवारों और संस्थाओं को सम्मानित करना चाहता है जो नशामुक्त आयोजन का उदाहरण प्रस्तुत करें।

संभावित मानदंड

- ✔ आयोजन में किसी प्रकार का नशीला पदार्थ न हो
- ✔ आयोजन स्थल पर नशामुक्ति संदेश हों
- ✔ परिवार सार्वजनिक रूप से नशामुक्त आयोजन का समर्थन करे
- ✔ आयोजन का संक्षिप्त दस्तावेजीकरण हो

वेबसाइट पर प्रदर्शन

loksankalp.org पर ऐसे आयोजनों की प्रेरक कहानियाँ साझा की जा सकती हैं।

8 अध्याय 8 : सत्यापन एवं प्रेरणा मॉडल

लोकसंकल्प केवल संकल्प लेने तक सीमित नहीं रहेगा।

संकल्प के पालन को भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

प्रक्रिया

यदि किसी परिवार ने ग्राम सभा में संकल्प लिया हो कि—

“हम अपने सामाजिक आयोजनों में नशा नहीं परोसेंगे”

तो भविष्य में आयोजन के समय ग्राम लोकसंकल्प समिति का कोई प्रतिनिधि परिवार की अनुमति से आयोजन का अवलोकन कर सकता है।

दस्तावेजीकरण

परिवार की सहमति से—

- ✔ छोटा वीडियो
- ✔ फोटो
- ✔ अनुभव
- ✔ प्रेरक संदेश

वेबसाइट पर साझा किए जा सकते हैं।

इसका उद्देश्य

निगरानी नहीं।

प्रेरणा।

सम्मान।

और सकारात्मक सामाजिक उदाहरण।

www.loksankalp.org

9 अध्याय 9 : सामाजिक परिवर्तन कैसे होगा?

सामाजिक परिवर्तन आदेश से नहीं होता।

संवाद से होता है।

पहला कदम	सवाल उठाना
दूसरा कदम	संवाद करना
तीसरा कदम	संकल्प लेना
चौथा कदम	उदाहरण प्रस्तुत करना
पाँचवाँ कदम	नई सामाजिक परंपरा स्थापित करना

10 अध्याय 10 : नई सामाजिक परंपराएँ

लोकसंकल्प केवल पुरानी कुरीतियों का विरोध नहीं करता।

वह सकारात्मक विकल्प भी प्रस्तुत करता है।

नई परंपराएँ

- ✔ नशामुक्त विवाह
- ✔ नशामुक्त मृत्यु शोक सभा
- ✔ पौधारोपण समारोह
- ✔ पुस्तक उपहार
- ✔ रक्तदान प्रेरणा
- ✔ स्वास्थ्य जागरूकता
- ✔ सामुदायिक सेवा
- ✔ युवाओं का सम्मान
- ✔ बेटी शिक्षा संकल्प

11 अध्याय 11 : ग्राम लोकसंकल्प समिति की भूमिका

समिति—

- ✔ संवाद करेगी
- ✔ परिवारों को प्रेरित करेगी
- ✔ सफलता कहानियाँ साझा करेगी
- ✔ नशामुक्त आयोजनों को सम्मानित करेगी

- ✔ सकारात्मक उदाहरण खोजेगी

महत्वपूर्ण सिद्धांत

लोकसंकल्प किसी परिवार की आलोचना या सामाजिक अपमान का अभियान नहीं है।

यह सकारात्मक प्रेरणा और सामूहिक परिवर्तन का अभियान है।

12 अध्याय 12 : हमारा सामूहिक आह्वान

समाज की वास्तविक शक्ति उसकी परंपराओं में होती है।

यदि परंपराएँ स्वस्थ होंगी तो समाज भी स्वस्थ होगा।

यदि परंपराएँ नशे को सम्मान देंगी तो नशा बढ़ेगा।

यदि परंपराएँ नशामुक्त जीवन को सम्मान देंगी तो समाज बदलेगा।

loksankalp.org

नशामुक्त आयोजन संकल्प

> **“मैं संकल्प लेता/लेती हूँ कि अपने परिवार, समाज और समुदाय के किसी भी सामाजिक, धार्मिक अथवा पारिवारिक आयोजन में नशीले पदार्थों की मनुहार, वितरण या प्रोत्साहन नहीं करूँगा/करूँगी तथा नशामुक्त आयोजनों की सकारात्मक परंपरा को बढ़ावा दूँगा/दूँगी।”**

लोकसंकल्प मंत्र

> **“नशे की मनुहार नहीं, संस्कारों का सत्कार।”**

> **“सम्मान भोजन से, व्यसन से नहीं।”**

> **“नशामुक्त आयोजन – स्वस्थ समाज की पहचान।”**

> **“नई परंपरा, नया समाज, नशामुक्त भविष्य।”**

मेरा गांव – मेरा परिवार – मेरा संकल्प – नशामुक्त समाज।

लोकसंकल्प — नशे की सामाजिक स्वीकृति के विरुद्ध जनआंदोलन।

जय हिन्द।

www.loksankalp.org

loksankalp.org · X @loksankalp26 · Facebook /LokSankalp26 · Instagram @loksankalp26

वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें

loksankalp.org

द्वारा

प्रोफ़ेसर श्यामसुन्दर ज्याणी

(संयुक्त राष्ट्र द्वारा भूमि संरक्षण के सर्वोच्च सम्मान "लैंड फॉर लाइफ अवार्ड" से सम्मानित)

संयोजक

नई किरण नशा मुक्ति केंद्र
राजकीय डूंगर महाविद्यालय, बीकानेर

www.familialforestry.org
X: @habitathealer · F: @habitathealer · Insta: @habitat_healer

पुस्तिका डिज़ाइन : Communication Department, Familial Forestry Mission

copyright loksankalp.org